केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय Subject : Hindi

विषय कोड Subject Code : 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 19/3/19 (Tuesday)

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएं : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	3/1/1	● ② ③ ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used : NIL

विकलांग व्यक्ति : Person with Disabilities : हाँ / नहीं Yes / No ✓ : No

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C	A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं ✓
Whether writer provided : Yes / No : NO

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सॉफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used :

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

2008094
002 / 16713

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialed in number (including title pages) as soon as you receive it
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
3. DO NOT write your roll no., name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary anwer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
    (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
    (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
    (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
    (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
    (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
    (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
    (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
    (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/ supplementary answer-sheet or part thereof; and
    (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

Central Board of Secondary Education, Delhi

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION (CLASS X)

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

Q. No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	8	7	3	4	4	4	5	8	5	8	56

Q. No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	4	9½	5	5							23½

Q. No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											

Q. No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											

CBSE

GRAND TOTAL	79½ = 80
MARKS IN WORDS	Eighty Seventy nine only

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उचित प्रश्नपत्र के सेट और अंकन योजना के अनुसार किया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुस्तिका के अन्दर कोई

खण्ड 'क'

8

प्रश्न - 1-

उत्तर (क) दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। 2

(ख) दूरदर्शन का अधिक प्रभाव छोटे बालकों पर पड़ता है क्योंकि छोटे बालकों का मानसिक विकास परिपक्व नहीं होता। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं। 2

(ग) दूरदर्शन के दुष्प्रभाव हैं - इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नज़र कमज़ोर हो सकती है अथवा तनाव बढ़ सकता है। 2

(घ) ~~मूल शब्द~~ - बाल्यावस्था → बाल्य + अवस्था । ।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश की शीर्षक है - "दूरदर्शन के दुष्प्रभाव"। ।

(1)

प्रश्न-2
उत्तर(क) 'जो बीत गई सो बात गई' से अभिप्राय है कि जो बात बीत चुकी है अथवा जो वक्त निकल चुका है, हमें उसके बारे में ज्यादा चिंतन नहीं करना चाहिए बल्कि उससे कुछ सीखकर आगे बढ़ना चाहिए और निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। 2

(ख) जब किसी का वक्त निकल जाता है या जो बात बीत जाती है, मनुष्य उसके बारे में सोचकर दुखी होता है, तब उसे ~~अपना~~ आकाश की ओर देखना चाहिए क्योंकि आकाश के भी कई तारे टूटकर गिर जाते हैं परंतु वह कभी शोक नहीं मनाता। हमें आकाश से प्रेरणा मिलती है। 2

(ग) 'सूखे फल' और 'मधुबन' का अर्थ हमारे जीवन की स्मृतियों अथवा किसी प्रिय व्यक्ति से है। 1

(घ) टूटे तारों का शोक आकाश नहीं मनाता है। 1

(ङ) 'जीवन में एक सितारा' किसी बहुत ही प्रिय व्यक्ति या सुख के समय को माना होगा। 1

खण्ड 'ख'

3

प्रश्न - 3.

उत्तर (क) मैंने एक व्यक्ति देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।

~~(ख) व्यक्ति परिश्रम करके अवश्य सफल होता है।~~

(घ) जो कब्रगाह कश्मीरी गेट के निकल्सन है वहाँ उनका ताबूत उतारा गया।

(ख) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है।

5

प्रश्न - 4.

(क) बालगोबिन भगत द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थीं।

(ख) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।

CBSE 2018 TOPPER

(घ) अवनि द्वारा चाय बनाई जा रही है।

(ङ) घायल हंस से उड़ा नहीं गया।

प्रश्न-5 (5)

(क) पढ़ती है – सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'पढ़' धातु।

(ग) वे – अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक।

(घ) परिश्रमी – गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'अंकिता' विशेष्य।

(ङ) रवि – व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

प्रश्न-6 (4)

(क) करुण रस का उदाहरण – कितना प्रामाणिक था उसका दुःख,
लड़की को दान देते वक्त,
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो।

(ख) हास्य रस

(घ) 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव होता है 'पुत्र/पुत्री स्नेह'।

(ङ) शृंगार रस के दो भेद हैं -
(i) संयोग शृंगार
(ii) वियोग शृंगार

खंड 'ग'

प्रश्न-7.
उत्तर(क) एक दिन एक शिष्या ने खाँ साहब से कहा कि क्यों आप फटी तहमद पहनते हैं। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि खाँ साहब की बहुत प्रतिष्ठा है और उन्हें भारतरत्न से भी सम्मानित किया गया है।

(ख) खाँ साहब ने शिष्या को समझाया कि भारतरत्न उनको उनकी शहनाई की वजह से मिला है उनकी लुंगी पर नहीं। उन्होंने समझाया कि अगर वे सिंगार देखते रहते तो उन्हें कभी भारतरत्न न मिलता।

(ग) इससे पता चलता है कि खाँ साहब बहुत ही सरल व्यक्ति थे। इतनी प्रतिष्ठा होने पर भी वे एक साधारण व्यक्ति की तरह ही रहते थे। 1

प्रश्न-8 (8)

(ख) मन्नू भंडारी के पिता को किसी अपने से ही ~~कि~~ विश्वासघात मिला था जिसके बाद वे शक्की स्वभाव के हो गए थे। और उनके इस स्वभाव से उनके बच्चे भी नहीं बचे थे। उनकी कमजोरी थी मोरा रंग। इसने ही मन्नू भंडारी में उस हीन भावना को जन्म दिया था। पिता जी का मानना था कि व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा होनी चाहिए। उनके पिता जी का शक्की स्वभाव लेखिका के अंदर भी उनकी प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा सकता है। 2

(ग) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना दर्शाता है कि सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि बच्चों में भी देशप्रेम है और यह पीढ़ी देशप्रेम से अछूती नहीं है। बच्चों को भी वह मूर्ति बिना चश्मे के अच्छी नहीं लगी। यह प्रदर्शित करता है कि उन बच्चों में वीर शहीदों के प्रति कितना सम्मान है। 2

(घ) बालगोबिन भगत, अपने सुस्त और बोदे से बेटे को अत्यधिक प्यार करते थे और उसका खूब ध्यान रखते थे। उनके अनुसार ऐसे व्यक्ति को ज्यादा प्रेम और ध्यान की आवश्यकता होती है। इन पर ईश्वर की कृपा होती है और ये प्यार के ज्यादा हकदार होते हैं। 2

(ङ.) 'लखनवी अंदाज' में लेखक ने यात्रा करने के लिए सैकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा क्योंकि यात्रा ज्यादा लम्बी नहीं थी और वह भीड़ से हटकर एकांत में एक कहानी लिखना चाहते थे। वह भीड़-भाड़ वाले जगह में अपनी कहानी नहीं सोच सकते थे। 2

प्रश्न-9.

उत्तर (क) 'हर चाँदिका में छिपी एक रात कृष्णा है' - कवि बताना चाहते हैं कि जिस प्रकार हर चाँदनी रात के बाद अंधेरी रात का आना निश्चित है ठीक उसी प्रकार हर सुख के पश्चात दुख का आना भी निश्चित है। अर्थात् हर सुख अपने साथ दुख लाता है। 2

ख) कवि ने यथार्थ पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि वर्तमान की स्थितियों से कहीं भागा नहीं जा सकता। और यदि हम अपने बीते हुए सुख के पलों को याद करेंगे तो हमें और भी दुख होगा। इसलिए हमें यह स्वीकारना ही पड़ता है। 2

ग) 'मृगतृष्णा' का प्रतिकार्थक अर्थ है - धन, दौलत, यश और वैभव। 1

प्रश्न-9.

क) संगतकार की मनुष्यता उसके सहायक स्वभाव को कहा गया है। संगतकार बिना किसी लोभ के मुख्य गायक का साथ देता है। वह खुद सामने न आकर उसकी तरक्की के लिए कार्य करता है। संगतकार उसके हर परेशानियों में उसके साथ रहते है। और उसे हार न मानने का साहस भी देता है। 2

ख) 'अट नहीं रही है' में वसंत ऋतु का बहुत ही सुंदर वर्णन किया गया है। वसंत ऋतु में चारों ओर हरियाली छाई रहती है। फूल अपनी सुगंध से पूरा वातावरण महका देते है। पक्षी चह-चहाकर वसंत 2

ऋतु का स्वागत करती है। वृक्ष पर हरे-हरे पत्ते आ जाते हैं। चारों तरफ खुशनुमा वातावरण रहता है।

(ग) परशुराम जी ने अपनी विशेषताओं को बताते हुए कहा है कि वे बहुत ही शक्तिशाली हैं। उन्होंने कई बार धरती को राजा से विहीन कर ब्राह्मणों को दिया है। उनके फरसे ने सहस्त्रबाहु जैसे योद्धा को छिन्न-भिन्न करा है। उनके प्रकोप से गर्भ में पल रहे बच्चे तक मर जाते हैं। यह सारी बातें बोलकर परशुराम जी ने लक्ष्मण को डराने की कोशिश करी थी।

(घ) कवि ने शिशु की मुस्कान को दंतरित मुस्कान इसलिए कहा है क्योंकि वह बालक अभी बहुत छोटा है और जब वह हँसता है तो उसके छोटे-छोटे दाँत बहुत ही आकर्षण पैदा करते हैं। कवि बालक की निश्छल मुस्कान देखकर अति प्रसन्न हो जाता है। बालक की मुस्कान बहुत ही सुंदर तथा आकर्षित है।

प्रश्न सं.

उत्तर 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज पर व्यंग्य किया है। और यह व्यंग्य हमारी चापलूसी वाली और गुलामी मानसिकता पर है। इस पाठ के माध्यम से उन्होंने सरकारी तौर-तरीके पर भी कटाक्ष किया है। उन्होंने जार्ज पंचम की नाक के जगह बच्चे की नाक भी न होना यह दर्शाती है कि कवि अपने देश के प्रति कितने समर्पित हैं। उन्होंने यह भी कहना चाहा कि हम आजादी के इतने सालों बाद भी अंग्रेजी देश के गुलाम की तरह रहते है। हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं और विदेशी संस्कृतियों को अपनाते जा रहे हैं। सरकारी काम के तरीके को भी दर्शाया है कि वे गुलामी मानसिकता के शिकार हो गए थे। उन्होंने जार्ज पंचम की नाक की जगह एक असली नाक लगाने की अनुमति दे दी। यह दर्शाता है कि आम व्यक्ति की क्या अहमियत है हमारे देश में। जार्ज पंचम की नाक से अभिप्राय है - हमारा स्वाभिमान और हमारा, हमारे देश का सम्मान।

5

प्रश्न - 12

"कमरतोड़ महँगाई"

महँगाई के कारण -

- आजकल के समय में किसी बड़े शहर में रहकर अपना जीवन चलाना और वो भी तब जब आप एक मध्य वर्गीय में आते हैं। महँगाई दिन - प्रतिदिन आसमान छूती जा रही है। ना जाने यह महँगाई कहाँ जाकर रुकेगी। महँगाई का कारण बढ़ती जनसंख्या भी है। लोग ज्यादा, साधन कम।
- महँगाई का कारण हमारी बढ़ती महत्वाकांक्षाएँ भी हैं। हम अपनी संस्कृति को भूलकर पूरे विदेशी बनते जा रहे हैं। ऐसे में हम उनका हर कदम अपनाते जा रहे हैं। पर यह करते समय हम यह भूल जाते हैं कि वे सारे देश विकसित देश है और हम विकासशील देश में हैं। हमारे देश में महँगाई का एक और मुख्य कारण है 'भ्रष्टाचार'। सरकार चीजों पर इतना टैक्स लगाती है और फिर उन चीजों को ज्यादा दाम में बेचना पड़ता है।

• समाज पर प्रभाव

इस बढ़ती कमरतोड़ महँगाई का सबसे ज्यादा प्रभाव मध्य वर्गीय और गरीब लोगों पर पड़ता है। वे इस बढ़ती महँगाई में इतना नहीं कमा पाते कि अपने पूरे परिवार का जीवनव्यापन ठीक तरीके से कर सकें। महँगाई हर क्षेत्र को प्रभावित करती है।

बढ़ती महँगाई में लोग अपने बच्चों को विद्यालय भी नहीं भेज पाते और अज्ञानता फिर बेरोजगारी का कारण बनती है। हमारे देश की ज्यादातर जनता मध्यवर्ग, गरीबवर्ग या गरीबी रेखा से नीचे रहती है। सरकार के कई कदम उठाए गए हैं शिक्षा के लिए। सरकारी स्कूलों में दाखिला उतना आसान नहीं होता। इसका कारण भी जनसंख्या है। ऐसे में कुछ लोग गरीबों का फायदा उठाते हैं। उनसे पैसे लेते हैं और उनके बच्चे का दाखिला कराने का वायदा करते हैं। और वह पैसे लेकर फरार हो जाते हैं। महँगाई में अपने परिवार को दो-वक्त की रोटी खिलाना मुश्किल हो चुका है। ऐसे में बच्चे कुपोषण का शिकार होते हैं। महँगाई सीधे तौर से देश के विकास को प्रभावित करती है।

व्यावहारिक समाधान

महँगाई रोकने के लिए समाधान बहुत ही आवश्यक है क्योंकि महँगाई हमें और हमारे देश को बुरी तरह प्रभावित करती है। महँगाई रोकने के लिए सबसे जरूरी है 'शिक्षा'। शिक्षा से लोगों को उनके अधिकारों के बारे में पता चलता है। और अगर किसी के अधिकारों का हनन हो तो वह उसके खिलाफ खड़ा हो सके।

हमें ज्ञान होना चाहिए कि किस वस्तु पर कितना टैक्स लगता है जिसके कि अगर दुकानदार हमसे ज्यादा पैसे माँगे तो हम उसे जवाब दे सके। सरकार अकेले ही महँगाई कम नहीं कर सकती हमें एक सामूहिक कार्य करना होगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई अधिकारी अपनी कुर्सी का गलत फायदा न उठाए। अगर ऐसा सरकार करे तो भ्रष्टाचार में कमी आएगी और निश्चित ही महँगाई भी कम होगी।

हर गरीब का यही रोना,
महँगाई कम करो ना।

प्रश्न-3
उत्तर

1533/7A
दिलशाद गार्डन, दिल्ली

प्रिय मित्र अंकिता,
शुभाशीष
सबसे पहले तो मैं तुम्हें यह बता दूँ कि मैं दिल्ली बहुत ही आराम से पहुँच गई हो। मैं तुम्हें धन्यवाद कहना चाहती हूँ कि तुमने मुझे शिमला बुलाकर मुझे बहुत ही सुंदर यादें दी हैं। सचमुच, शिमला बिलकुल वैसा ही है जैसा तुम बताया करती थी या शायद उससे भी कई अधिक ~~सुंदर~~। मैंने अपने जीवन में पहली बार इतने ऊँचे-ऊँचे पहाड़ और बर्फ देखा था।

मैं चाहती हूँ कि तुम अब अगली बार हमारे साथ कहीं चलो। हम वहाँ खूब मस्ती करेंगे। मम्मी-पापा को मेरा नमस्कार और अभिनव का प्रेम।

तुम्हारी मित्र
स्मृति दीक्षित

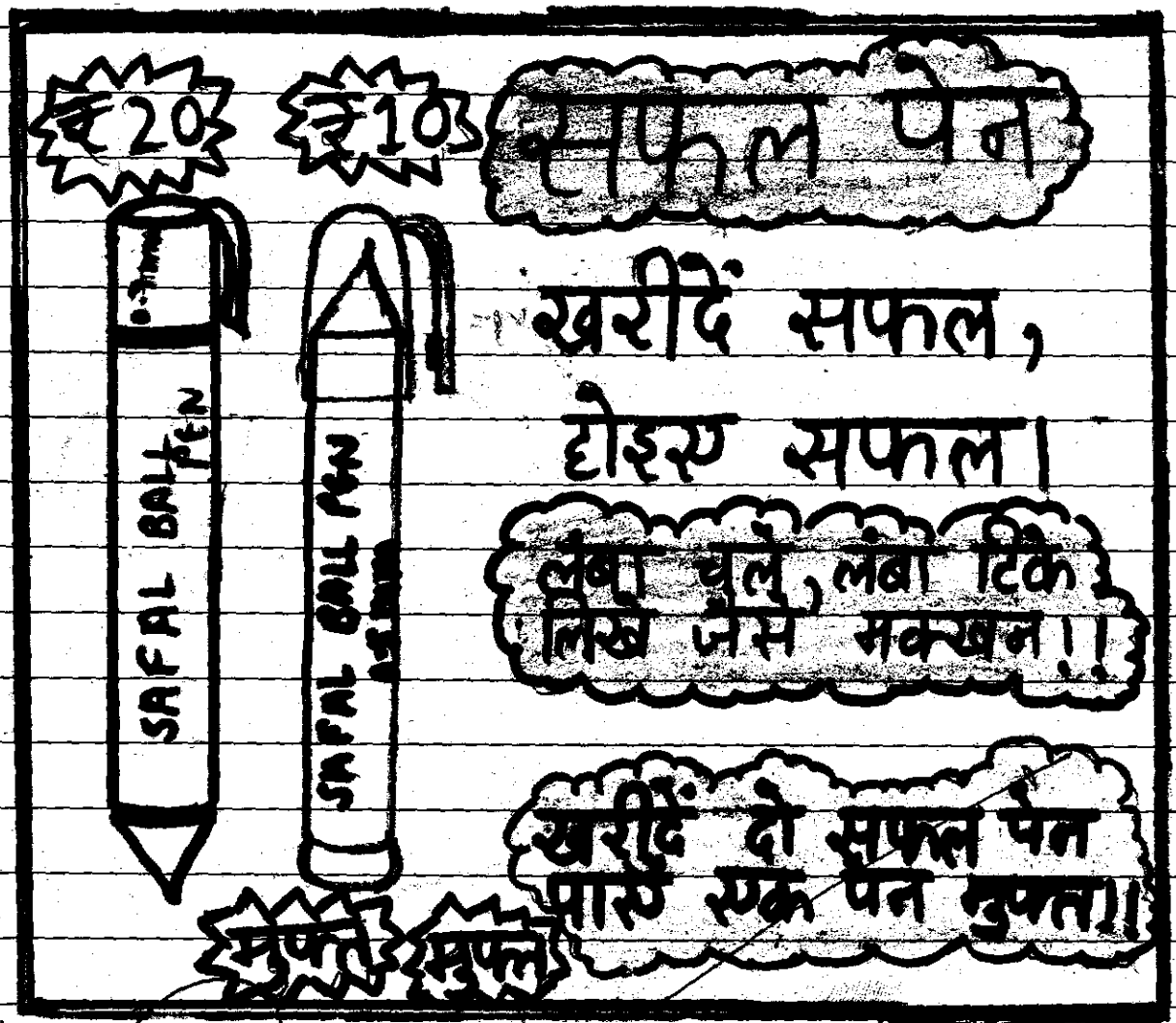

प्रश्न-15.

79½ = 80/80

Total - 80

Eighty

Eighty Only.

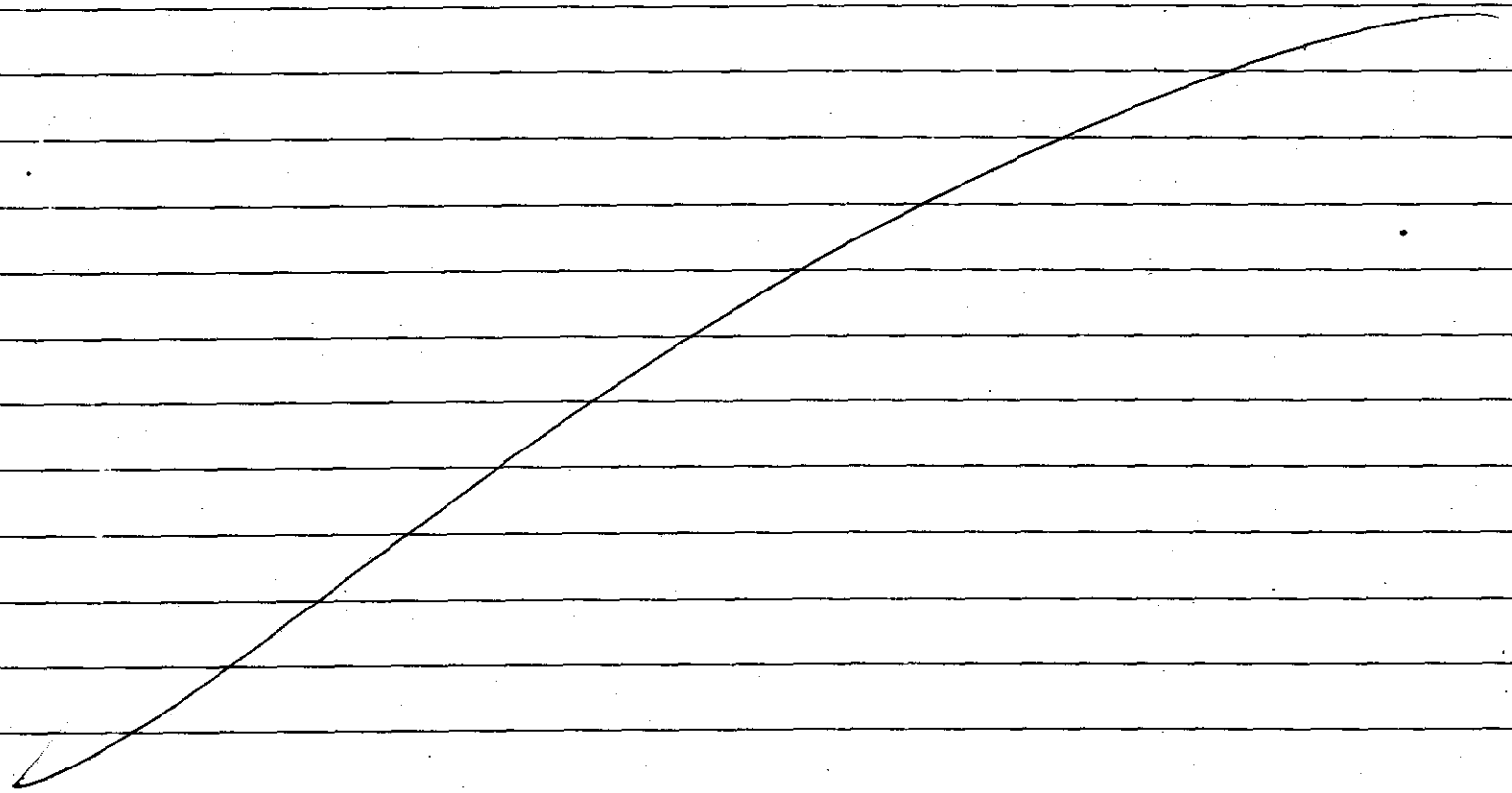

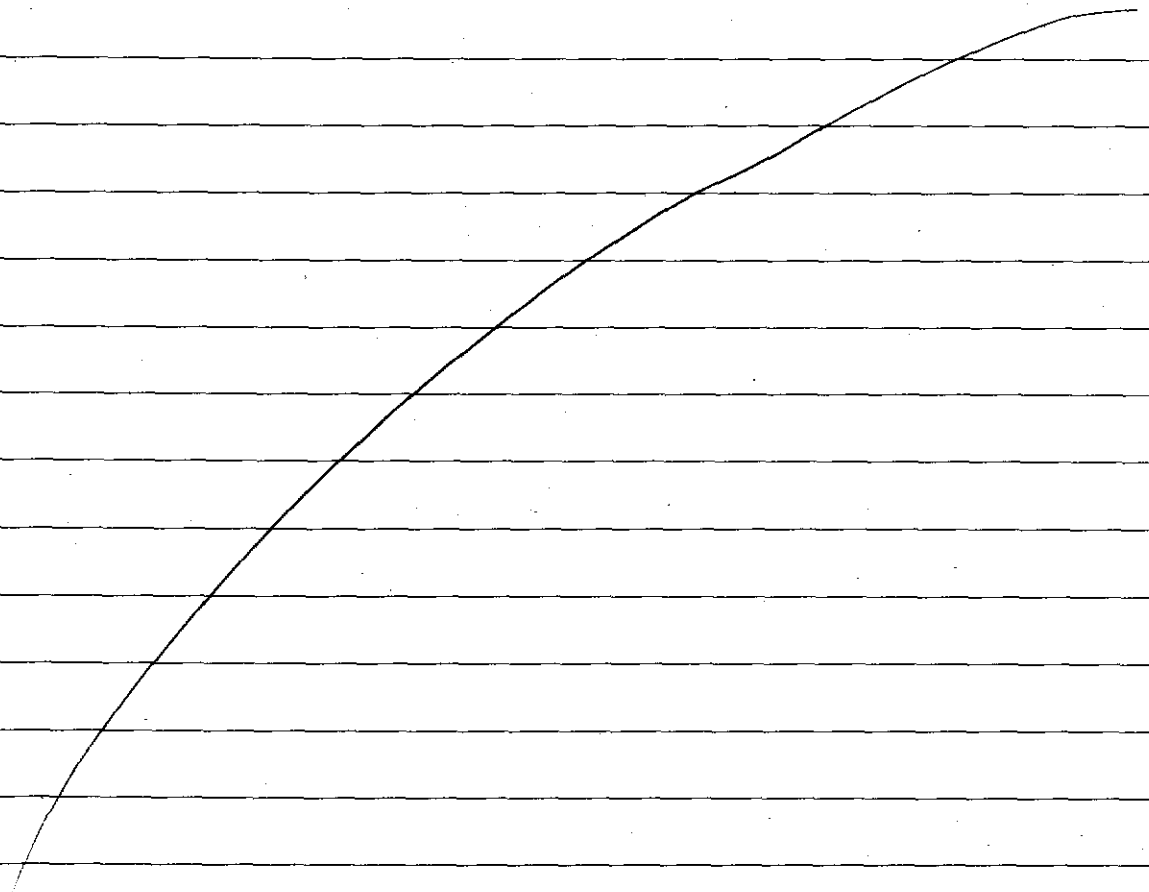

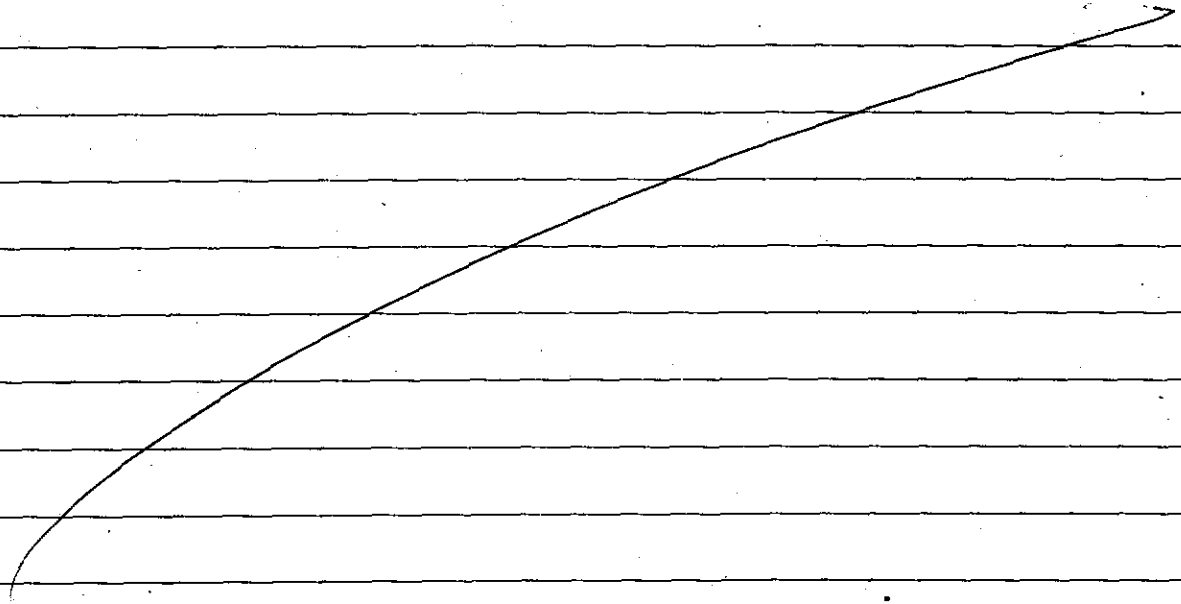

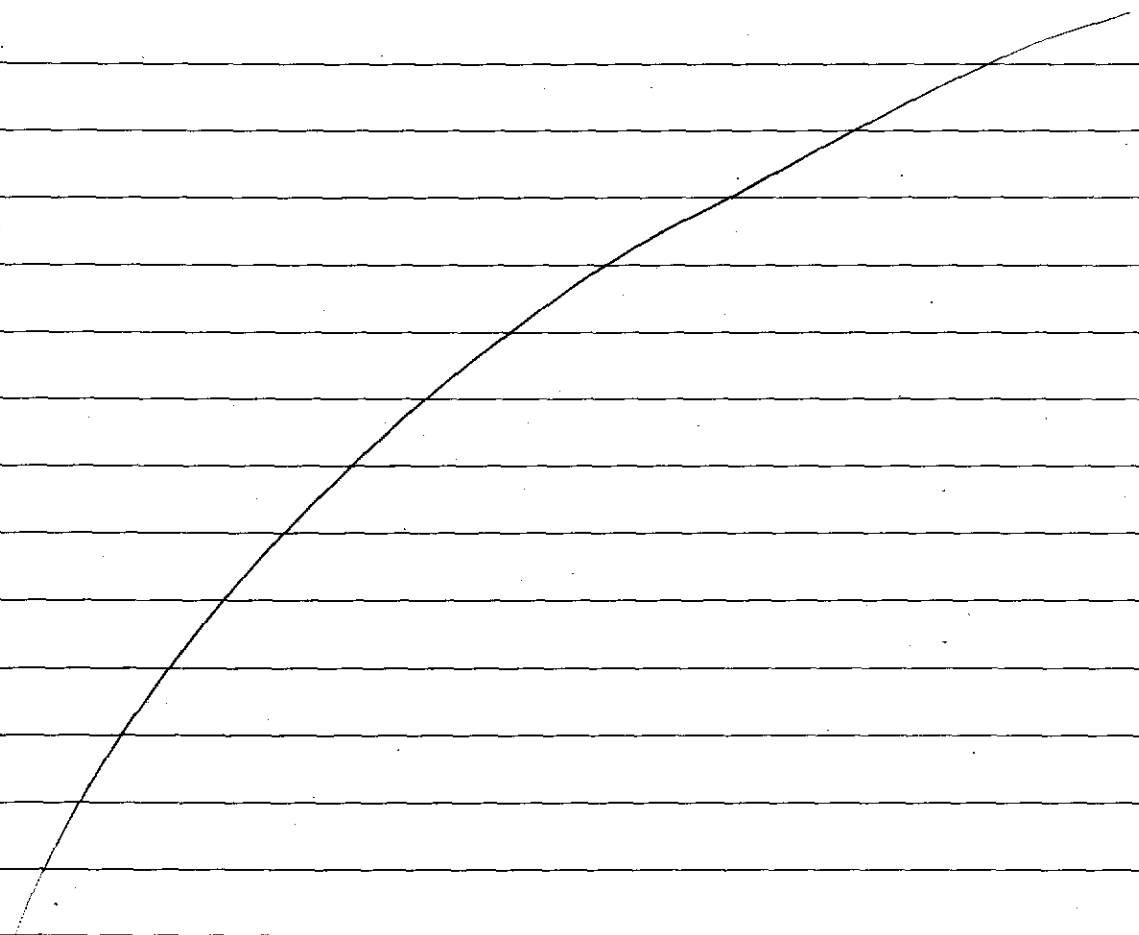

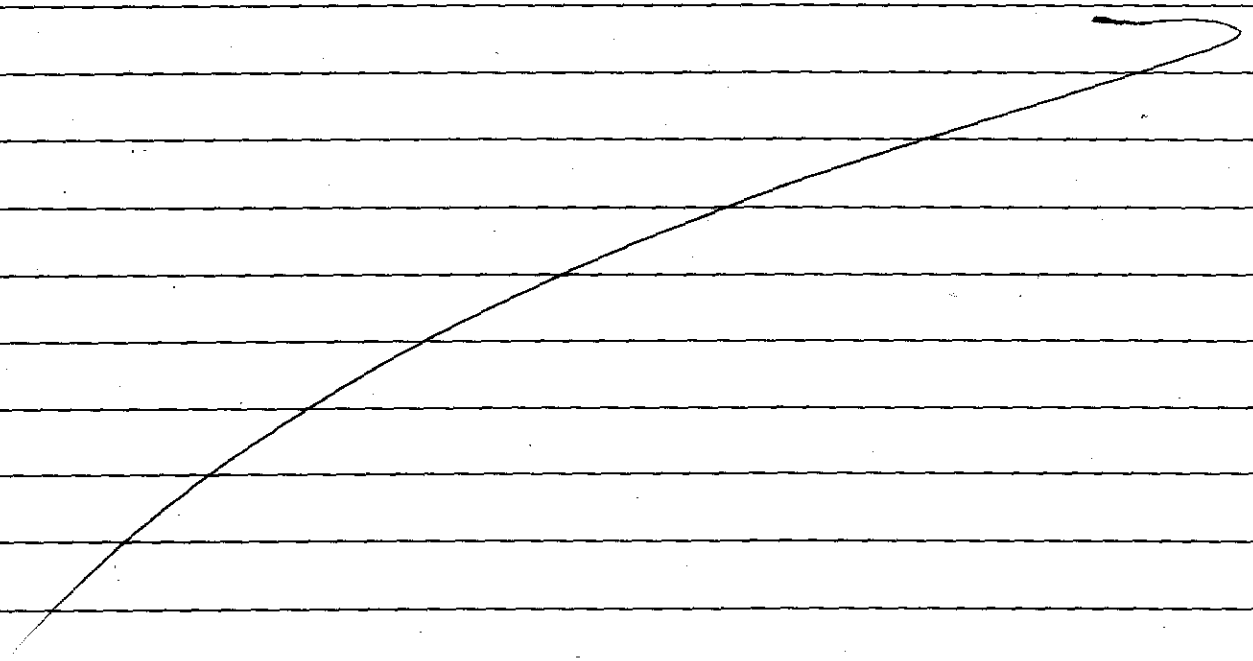

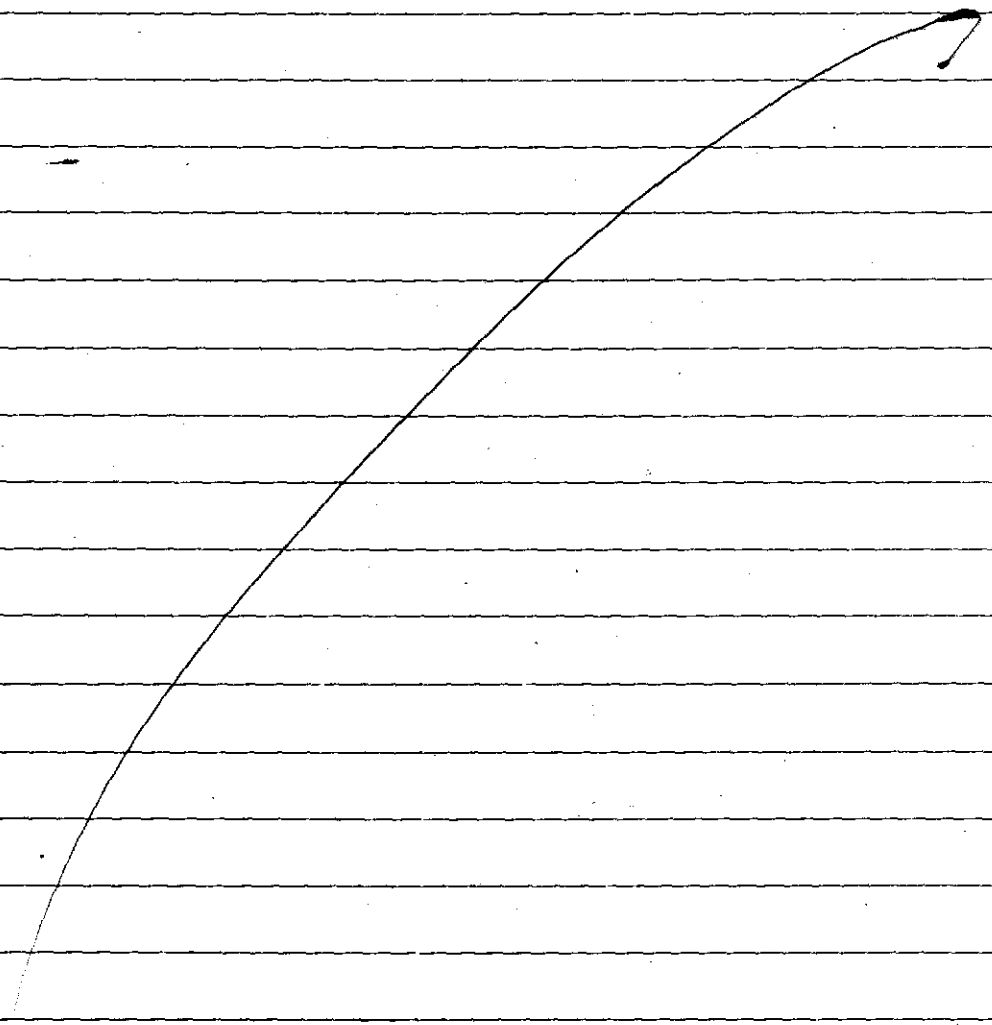

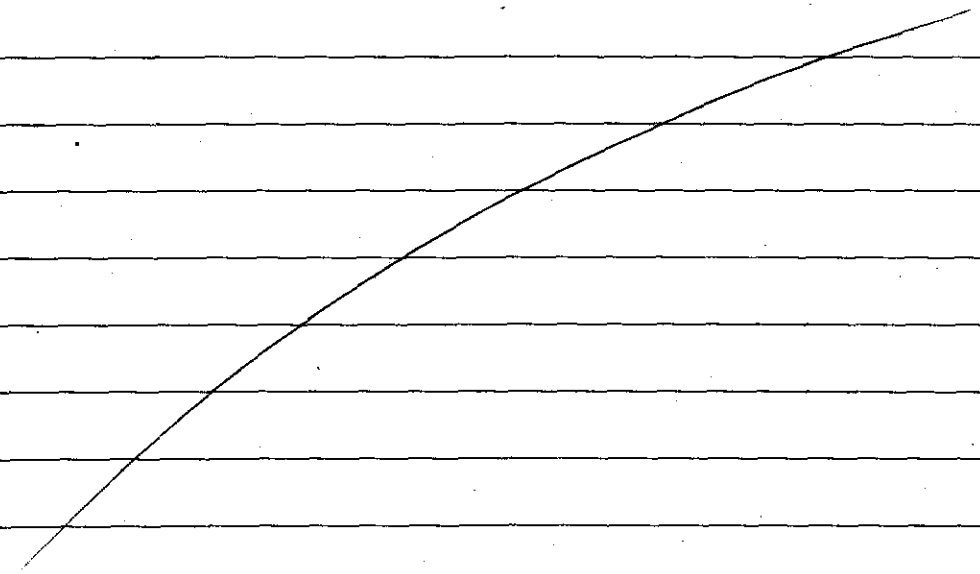

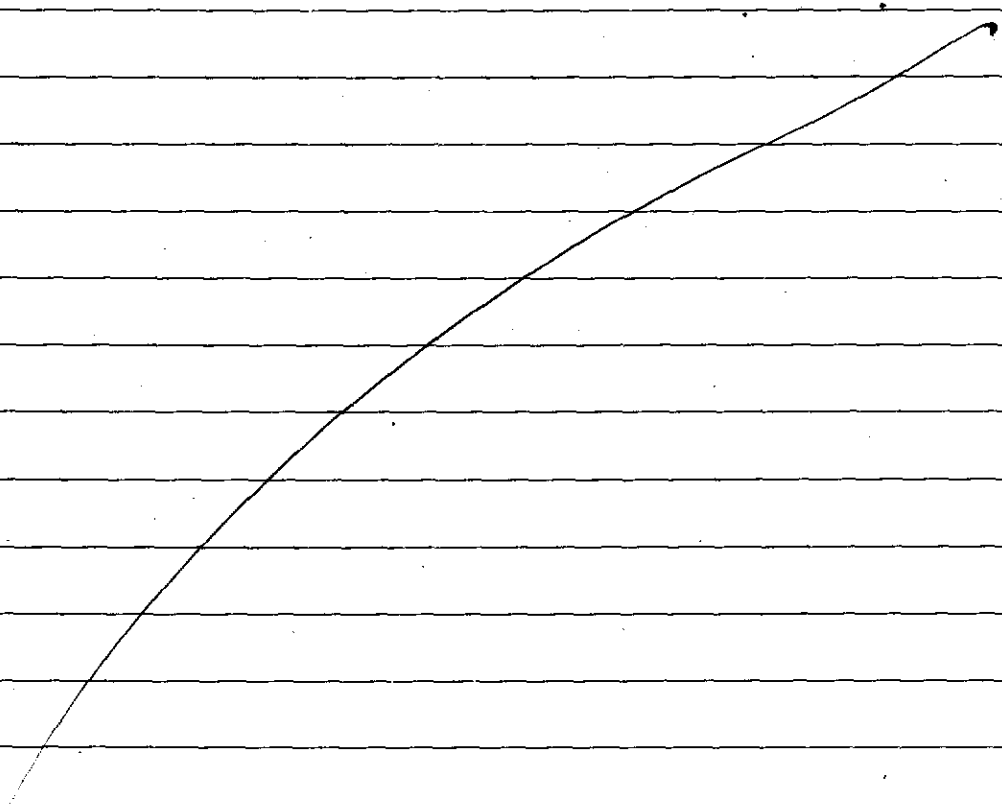

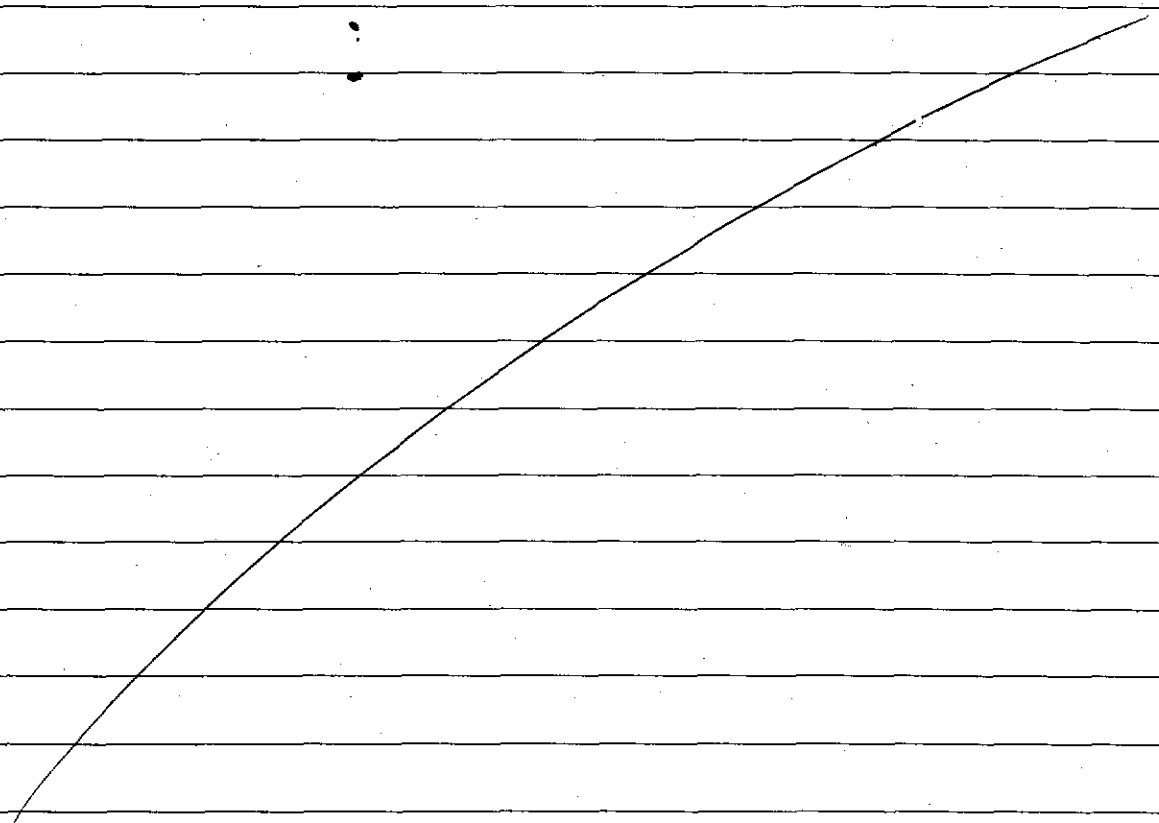

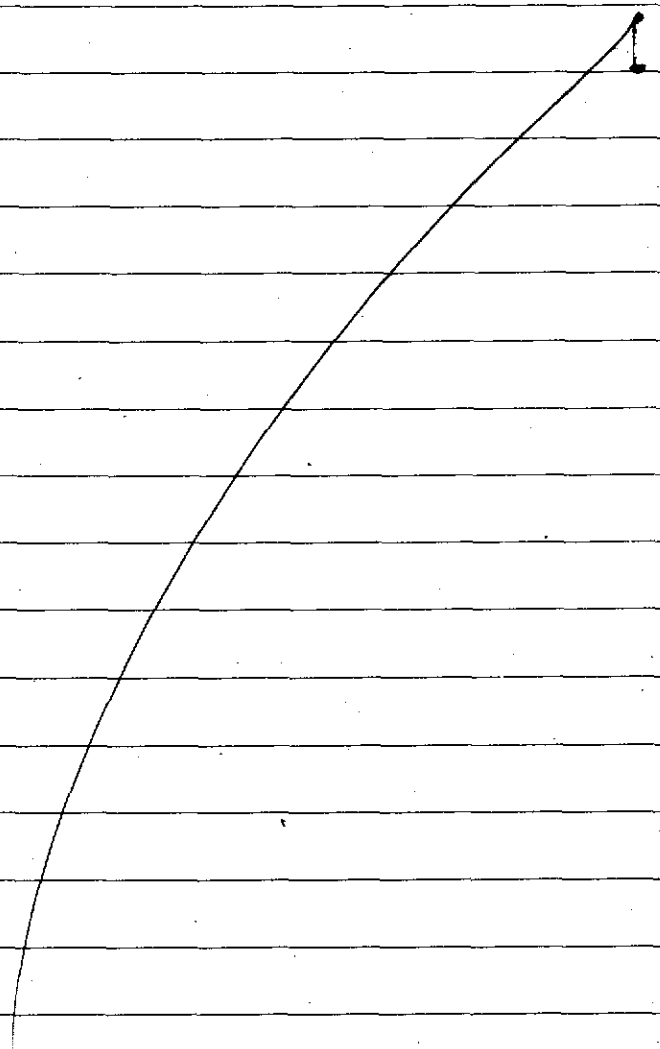

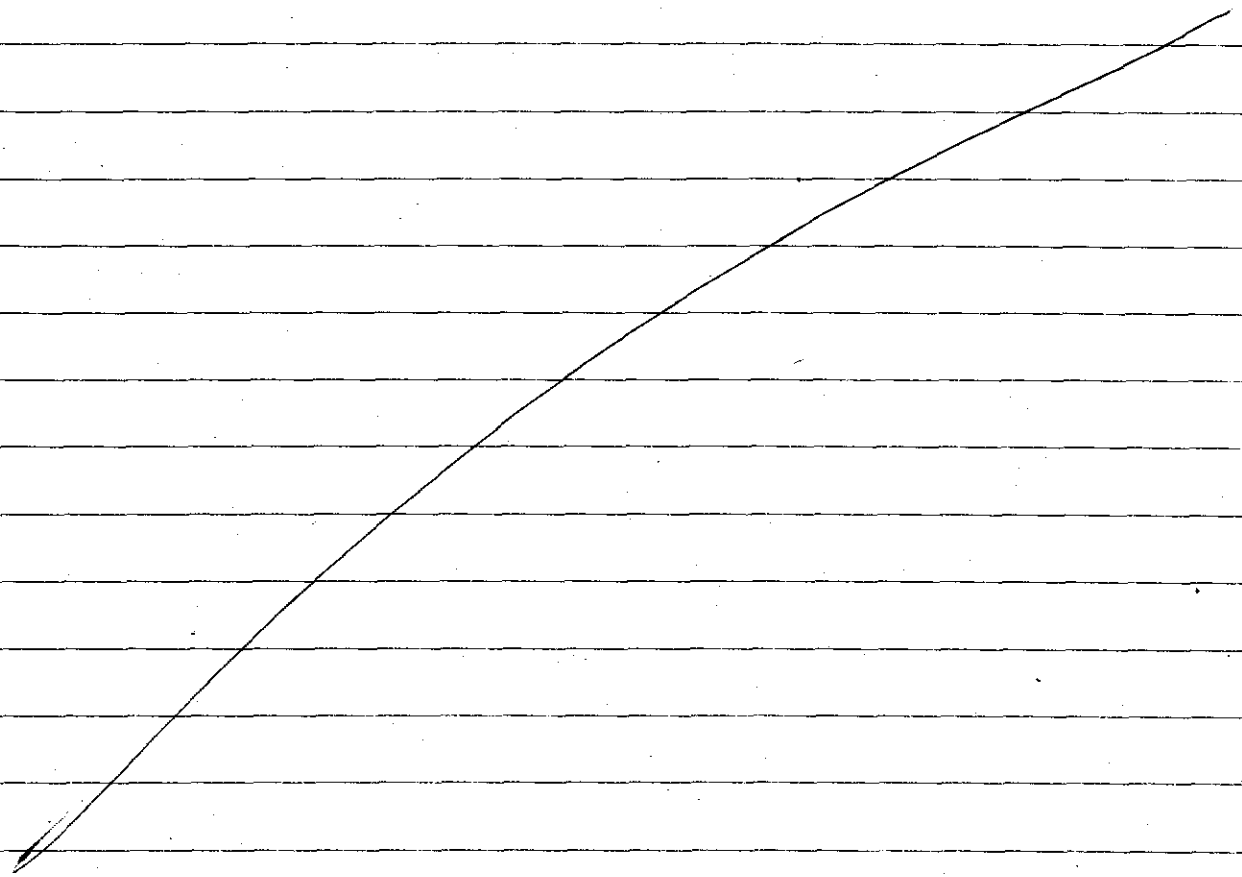

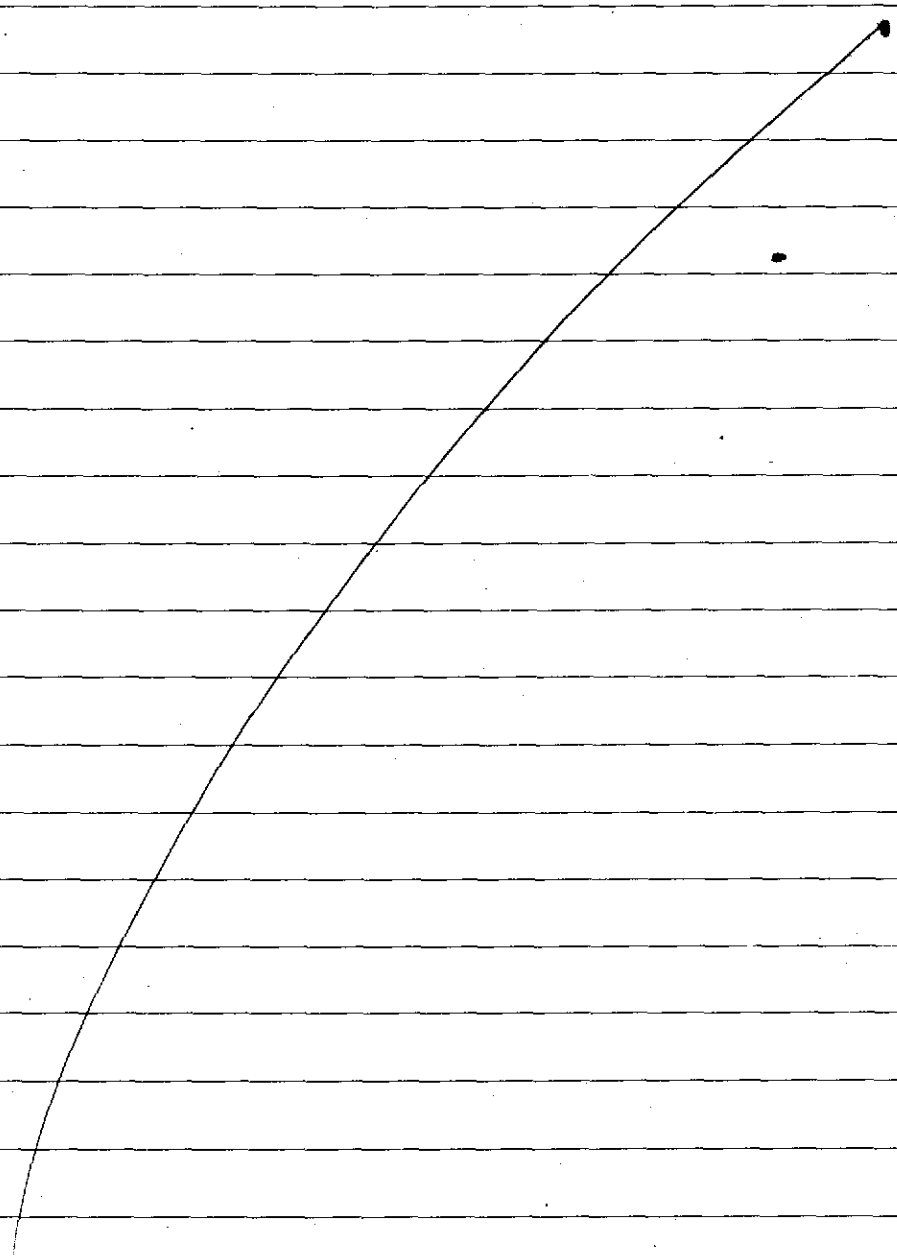

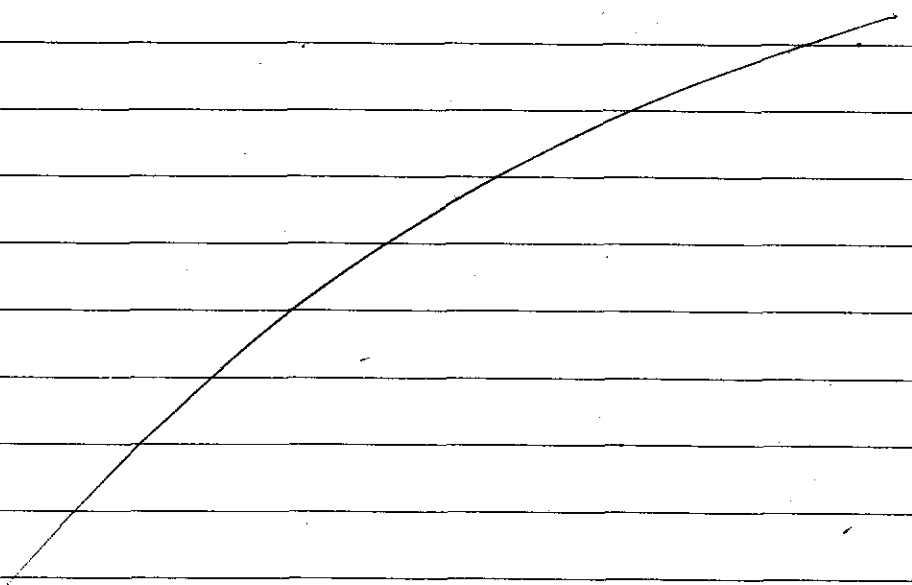

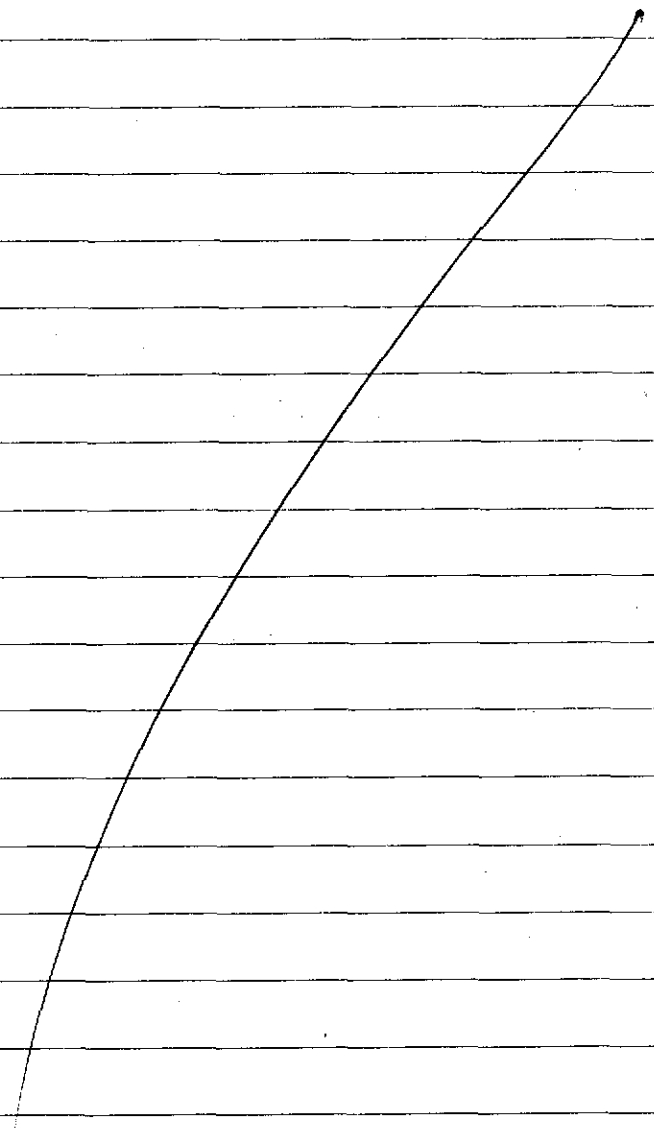

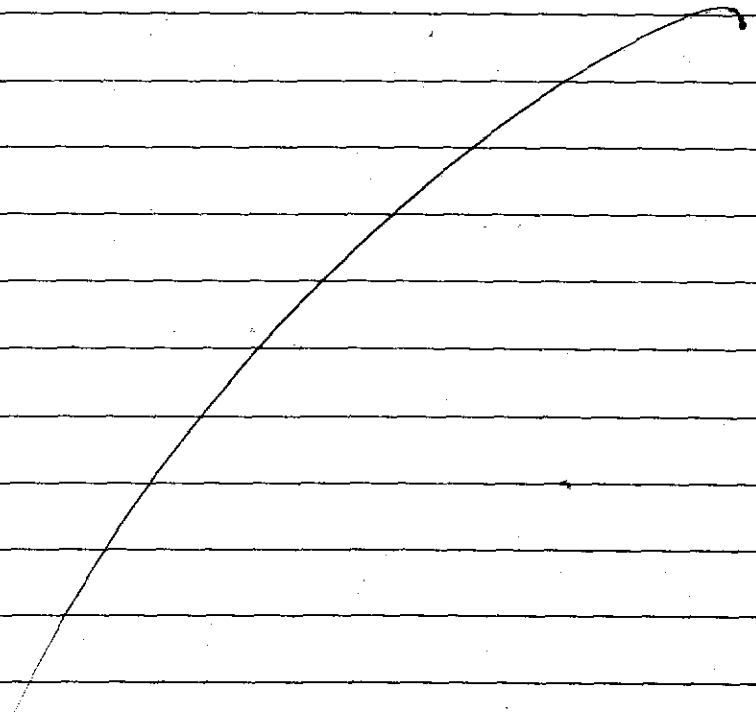

2019